

स्वामी विवेकानंद और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम

कल हमने पौष शुक्ल द्वादशी को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा मन्या था यह कहें देख ने दूसरी दीपावली मनाई। अज जैसे श्रीराम जन्मभूमि मंदिर भारत के सास्कृतिक पुनर्जीवन का केंद्र बन गया है वैसे ही भारतीय स्वाधीनता संग्राम के पूर्वाश्रम्भ में जनमानस में नई जागृति और नवोत्साह का संचार करने वाले महापुरुषों में एक धूम्र व्यक्तित्व हैं स्वामी विवेकानंद जी। उनकी ओजस्वी वाणी ने हमें आत्मबोध और शत्रुघ्नी बोध कराया। स्वामी जी ने युवाओं में क्षात्र तेज और ब्राह्मणता की साधना का सकल्प जगाया। उनके आहान पर सुषुप्तावस्था का भारत आंखें खोल कर अंगड़ाइया लेने लगा।

वह भारतवर्ष, जिसकी पहचान सहस्रों वर्षों से अपनी आध्यात्मिक धरोहर, ज्ञान और सांस्कृतिक वैभव से रही है, औनिश्चिक काल में आत्मविमुति और पराभव के अंधकार में ढूँढ़ चुका था। ऐसी स्थिति में इस महापुरुष ने भारतीय जनमानस को उसकी खोई हुई चेतना से परिचित कराया। स्वामी विवेकानंद, एक संसारी, जिन्होंने केवल ध्यान और वैराग्य को ही जीवन का आधार नहीं बनाया, अपितु कर्म, त्याग और आत्मनिर्भरता के माध्यम से भारत की आत्मा को पुनर्जीवित करने का संकल्प लिया। उनकी उपरिक्ति स्वतंत्रता संग्राम के शैशवकाल में बह प्रेरणास्रोत बनी, जिसने न केवल जनसामान्य को, अपितु राष्ट्र के भावी स्वनामियों और सेनानायकों को भी जागृत किया।

स्वामी विवेकानंद के विचारों की गहराई

केवल उनके शिकायों में दिए गए भाषणों तक सीमित नहीं थी। उनके शब्दों में वह शक्ति थी, जो एक जड़ हो चुके समाज को उसकी नाड़ी का बोध कराती थी। उनका कहना था, हमारी सबसे बड़ी कमज़ोरी हमारी आत्मविमुति है। उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो। वह संदेश, स्वतंत्रता संग्राम के आरंभिक दौर में, एक नए आत्मबोध का शख्सनाद था। उनके विचारों ने भारतीय युवाओं को यह बोध कराया कि वे केवल गुलामी की बेड़ियों में जड़के हुए लोग नहीं, बल्कि एक ऐसी महान परंपरा के बाहर हैं, जो विश्व को ज्ञान, करुणा और शक्ति का प्रकाश दे सकती है।

स्वामी विवेकानंद का स्वतंत्रता आंदोलन से संबंधित सीधा राजनीतिक न होकर सांस्कृतिक और नैतिक था।



विवेकानंद जयंती

राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर, हमें स्वामी विवेकानंद को

केवल स्मरण नहीं करना चाहिए, बल्कि उनके विचारों का आत्मसात करने का भी प्रयास करना चाहिए।

उनका जीवन और उनके विचार हमें यह सिखाते हैं कि

जब तक हमारे

भीतर साहस, संकल्प और सेवा की भावना जीवित है, तब तक कोई

लक्ष्यों से विचलित नहीं कर सकती। स्वामी

विवेकानंद भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के वह

अप्रत्यक्ष सूर्योदय थे।

जिन्होंने स्वतंत्रता के

सपने को साकार करने की नींव रखी। स्वामी जी

ने कहा था गर्व से कहो

हम हिन्दू हैं। यहीं

हमारा परिचय है।

वह उस मानसिकता के कद्दू अलोचक थे, जो भारतीयों को हीन और अशक्त मानती थी। ब्रिटिश शासन के द्वारा प्रत्यारित उस कथित कल्टर के सिद्धांत को स्वामी जी ने तर्क और दर्शन के माध्यम से खंडित किया। शिकायों में उनके उदयोग ने यह सिद्ध किया कि भारत में क्षमता से उन्नत विचाराओं में धर्म और दर्शन विश्व की सबसे उन्नत विचाराधाराओं में से एक है। उन्होंने भारतीय समाज को यह सिखाया कि स्वतंत्रता केवल बाहरी दासता से मुक्त नहीं, बल्कि आतंक बधनों और आत्मविमुति और सेनानायकों को भी जागृत किया।

उनका जीवन और कर्म, उन अनगिनत क्रांतिकारियों

और नेताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बने, जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। सुभाष चंद्र बोस ने स्वयं कहा था कि स्वामी विवेकानंद के विचारों का संकल्प दिवस है।

वह उस मानसिकता के कद्दू अलोचक थे, जो भारतीयों को हीन और अशक्त मानती थी। ब्रिटिश शासन के द्वारा प्रत्यारित उस कथित कल्टर के सिद्धांत को स्वामी जी ने तर्क और दर्शन के माध्यम से खंडित किया। शिकायों में उनके उदयोग ने यह सिद्ध किया कि भारत में क्षमता से उन्नत विचाराओं में धर्म और दर्शन विश्व की सबसे उन्नत विचाराधाराओं में से एक है। उन्होंने भारतीय समाज को यह सिखाया कि स्वतंत्रता केवल बाहरी दासता से मुक्त नहीं, बल्कि आतंक बधनों और आत्मविमुति और सेनानायकों को भी जागृत किया।

उनका जीवन और कर्म, उन अनगिनत क्रांतिकारियों

और नेताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बने, जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। सुभाष चंद्र बोस ने स्वयं कहा था कि स्वामी विवेकानंद के विचारों का संकल्प दिवस है।

जीवन के सबसे बड़े प्रेरक थे। बोस का आत्मविश्वास, उनके विचारों की निर्मिति, और उनकी संकल्पकृति स्वामी विवेकानंद के सिद्धांतों से प्रभावित थी। भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों की विचाराधारा, जो साहस और देशभक्ति की मिसाल बनी, स्वामी विवेकानंद के उन विचारों की छाया थी, जो डर और निराश के हर अंश को नष्ट करने का सदैश देते थे।

स्वामी विवेकानंद के जीवन का सबसे बड़ा योगदान था, समाज के प्रत्येक वर्ग को जोड़ने का प्रयास। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि धर्म, जाति और वर्ग के नाम पर विभाजित समाज को एक ऐसे सूत्र में पिरेया जाए, जहां व्यक्ति अपने दायित्व और अधिकार दोनों के प्रति सज्जन हो। उन्होंने रामकृष्ण मिशन के माध्यम से जो सेवा कार्यवाही की थी, उन्होंने यह सिद्ध किया कि धर्म का वास्तविक स्वरूप केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं, बल्कि वह समाज के प्रति जिम्मेदारी और सेवा का मार्ग है। यहीं विचारांति की ग्रामीण स्वराज और तिलक के स्वदेशी आंदोलन में भी परिस्थित हुआ।

स्वामी विवेकानंद के विचारों की प्रसारिति का दृष्टिकोण स्पष्ट था- यदि भारत को स्वतंत्र होना है, तो उस पहले अपने भीतर जगना होगा। उनका कहना था, स्वतंत्रता आत्मबल से ही संभव है। यह आत्मबल का तात्पर्य केवल शारीरिक शक्ति नहीं, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक जगत् से था। उन्होंने विश्वास को इस के बाहर ले रखा। उनका मानना था कि शिक्षा के बाहर चुनौती का आधार जगत् बनाया जाए। उनके विचारों ने यह सिद्ध किया कि धर्म का वास्तविक स्वरूप केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं, बल्कि वह समाज के प्रति जिम्मेदारी और सेवा का मार्ग है। यहीं विचारांति की ग्रामीण स्वराज और तिलक के स्वदेशी आंदोलन में भी परिस्थित हुआ।

स्वामी विवेकानंद के विचारों की प्रसारिति का दृष्टिकोण स्पष्ट था- यदि भारत को स्वतंत्र होना है, तो उस पहले अपने भीतर जगना होगा। उन्होंने यह सिद्ध किया कि धर्म का वास्तविक स्वरूप केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं, बल्कि वह समाज के प्रति जिम्मेदारी और सेवा का मार्ग है। यहीं विचारांति की ग्रामीण स्वराज और तिलक के स्वदेशी आंदोलन में भी परिस्थित हुआ।

स्वामी विवेकानंद के विचारों की प्रसारिति का दृष्टिकोण स्पष्ट था- यदि भारत को स्वतंत्र होना है, तो उस पहले अपने भीतर जगना होगा। उन्होंने यह सिद्ध किया कि धर्म का वास्तविक स्वरूप केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं, बल्कि वह समाज के प्रति जिम्मेदारी और सेवा का मार्ग है। यहीं विचारांति की ग्रामीण स्वराज और तिलक के स्वदेशी आंदोलन में भी परिस्थित हुआ।

स्वामी विवेकानंद के विचारों की प्रसारिति का दृष्टिकोण स्पष्ट था- यदि भारत को स्वतंत्र होना है, तो उस पहले अपने भीतर जगना होगा। उन्होंने यह सिद्ध किया कि धर्म का वास्तविक स्वरूप केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं, बल्कि वह समाज के प्रति जिम्मेदारी और सेवा का मार्ग है। यहीं विचारांति की ग्रामीण स्वराज और तिलक के स्वदेशी आंदोलन में भी परिस्थित हुआ।

स्वामी विवेकानंद के विचारों की प्रसारिति का दृष्टिकोण स्पष्ट था- यदि भारत को स्वतंत्र होना है, तो उस पहले अपने भीतर जगना होगा। उन्होंने यह सिद्ध किया कि धर्म का वास्तविक स्वरूप केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं, बल्कि वह समाज के प्रति जिम्मेदारी और सेवा का मार्ग है। यहीं विचारांति की ग्रामीण स्वराज और तिलक के स्वदेशी आंदोलन में भी परिस्थित हुआ।

स्वामी विवेकानंद के विचारों की प्रसारिति का दृष्टिकोण स्पष्ट था- यदि भारत को स्वतंत्र होना है, तो उस पहले अपने भीतर जगना होगा। उन्होंने यह सिद्ध किया कि धर्म का वास्तविक स्वरूप केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं, बल्कि वह समाज के प्रति जिम्मेदारी और सेवा का मार्ग है। यहीं विचारांति की ग्रामीण स्वराज और तिलक के स्वदेशी आंदोलन में भी परिस्थित हुआ।

स्वामी विवेकानंद के विचारों की प्रसारिति का दृष्टिकोण स्पष्ट था- य

सार संक्षेप

स्टीव स्मिथ का शतकीय प्रहार, सिडनी

सिवरसर्स ने दर्ज की बड़ी जीत

सिडनी : स्टीव स्मिथ ने ट्रैटी-20 क्रिकेट में अपने कौशल की शानदार याद दिलाते हुए शनिवार को 64 गेंदों में नाबाद 121 रन बनाकर सिडनी सिक्सर्स की बिंग बैरा लीग (बीबीएल) में पर्श स्कॉरर्स पर 14 रन से जीत दिलाई।

करीब 31 हजार दर्शकों की मौजूदी में स्मिथ ने अपनी शानदार पारी के बावजूद स्कॉरर्स सात विकेट पर 206 रन ही बना सकी। स्मिथ की पारी, जिसे बीबीएल इतिहास की सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक रखी जिन्होंने सरकार शुरूआत के बाद अपनी रक्तार बदला। पांच ओवर के बाद सिडनी का स्कॉरर एक विकेट पर 24 रन आ, लेकिन स्मिथ ने आखिरी 40 गेंदों पर 95 रन बनाने के लिए बार्डी की झड़ी लगा दी। स्मिथ ने स्विच-हिट और दुस्राहसिक फिल्क सहित कई नए शॉट्स खेल। टाइ को कड़ी चुनौती का समाप्त करना पड़ा, उन्होंने अपने चार ओवरों में 62 रन दिए, जबकि इग्रे रिचर्डसन ने 51 रन बनाए। मोइसेस हेनरिक्स ने तेज 45 रन बनाकर स्मिथ का विकेट चटकाया। 221 रनों का पोछा करते हुए पर्श की शुरूआत लड़खड़ा गई। चौथे ओवर में एकेट ने बोनों सलामी बल्लेबाजों को आउट कर दिया। टर्नर पर जारीराधी पारी खेलकर प्रतिरोध प्रदान किया, लेकिन लक्ष्य दुर्घाट हुआ क्योंकि पर्श ने अपने ओवर में 23 रनों की जरूरत थी। इस जीत से सिडनी दूसरे रूपाने पर है, जबकि पर्श पांचवें रूपाने पर है।

बीआर आदित्यन आईटीएफ पुरुष एम-25 प्लेयर्स टेनिस 13 जनवरी से

चेन्नई : चेन्नई में 13 से 19 जनवरी के बीच खेली जाने वाली बीआर आदित्यन आईटीएफ मेन्स-एम-25 प्लेयर्स टेनिस में भारत समेत 14 देशों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लेंगे। एसटीएटी-टेनिस स्टेंडिंगम में आयोजित 30 हजार अमेरिकी डॉलर इनारो राशि वाले इस टूर्नामेंट में भारत के अलावा फ्रांस, नीदरलैण्ड, यूनाइटेड किंगडम, ग्रीष्म, जापान, यूक्रेन, वेक गाराज्य, उत्तरीकृताना, संयुक्त राज्य अमेरिका, मोरक्को, सिएटल-जर्मनी, कजाकिस्तान, करियर और इंडोनेशिया के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। विजेता टीम को 25 रुटीपी अंक और उपविजेता 16 रुटीपी का प्राप्त होगे। भारतीय चुनौती का नेतृत्व डीवियर का खिलाड़ी रामकृष्ण रामनाथन करेंगे। ड्रां में बायां अन्य भारतीयों में पूर्व सालीय रामकृष्ण नीरीष, सुरेण कुमार, करण सिंह और वर्मान राष्ट्रीय उपविजेता निंजिन कुमार निक्षित शामिल हैं। मुख्य ड्रां के लिए चार बाइल्ड कार्ड मार्गी सुरेण कुमार, प्रणव कार्तिक, नितिन शर्मा सिंह और सिद्धिंशु बाठिया पर उपलब्ध हैं। इसने के समाप्त हस्तीन टूर्नामेंट निवेदक होंगे। क्वालीफाइंग रामरुड़ आज होंगे जबकि मुख्य ड्रां के मैच मंगलवार से खेले जाएंगे। डबल्स का फाइनल शनिवार 18 जनवरी को और सिंगल्स का खिलाड़ी मुकाबला उपरके अगले दिन खेला जाएगा।

लैंकशायर के जरिए काउंटी क्रिकेट में वापसी करने एंडरसन

लंदन : इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन आगे सीजन दीवीजन दूर काउंटी चैम्पियनशिप में वापसी कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि लैंकशायर के साथ उनकी बातचीत चल रही है। एंडरसन ने पिछले साल जुलाई में लाइसेंस में वेस्टइंडीज के खिलाफ एकाधिकर का आखिरी टेस्ट मैच खेला था। उन्होंने 21 सालों तक इंग्लैंड के लिए खेलते हुए 26.45 की औसत से 704 विकेट लिए हैं। एंडरसन ने लैंकशायर के साथ कम से कम एक फाइनल सीजन खेलने का वाला किया है। कब वे के लिए उन्होंने 2002 में प्रथम श्रीणी क्रिकेट में डेब्यू किया। लैंकशायर पिछले सत्र में काउंटी चैम्पियनशिप शीर्ष पर नहीं रह सके। लैंकिन एंडरसन ने जून में साउथोर्टोन में नॉटिंघमशायर के खिलाफ अपने एकमात्र मैच में 35 रन देकर सात विकेट लेकर प्रथम श्रीणी क्रिकेट में आनी चार्चाकारी के लिए उपर्याप्त किया था। उनके 2025 सत्र की शुरुआत से उपलब्ध होनी की अपील है, जिसमें चार से सात अप्रैल तक लैंकशायर के लिए मिडिलसेंप के खिलाफ लॉर्ड्स में वापसी करेंगे। इस दौरान वह अपनी कोरिंग की भूमिका भी जारी रख सकते हैं। मई में जिब्राइव के खिलाफ एकमात्र मैच से पहले चार पांच मैचों में खेल सकते हैं। लैंकशायर का डूसरे दौर में ओल्ड ट्रैफोर्ड में नॉटिंघमशायर के खिलाफ होगा, जो 11 अप्रैल से शुरू होगा। एंडरसन लैंकशायर की सीफेद गेंद टीम में भी शामिल हो सकते हैं, हालांकि उन्होंने एक दशक से ज्यादा समय से टी-20 क्रिकेट का कोई भी प्रारूप नहीं खेला है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के लिए पाकिस्तान ने की टेस्ट टीम की घोषणा

इस्लामाबाद : पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीसी) ने वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप मैचों के लिए 15 सार्वभौमी टीम की घोषणा की है। पिछले साल दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2-0 से जीत हांसने वाली टीम में बड़े बदलाव किया गया है। घरेलू टेस्ट के लिए पिछले विभाग को मजबूत बनाए करने के लिए, साजिद खान और अब्दुल अहमद ने अप्रैल जमाल, मोहम्मद अब्दस, मीह हम्मा और नरेसम शाह की तेज गेंदबाजी बड़ी की आराम दिया गया है। उनकी जगह अन्वेषक काशिफ अली की टीम में शामिल किया गया है, उनके लिए खुरम शहजाद की जगह जोनी के लिए बरकरार रखा गया है। सालामी बल्लेबाज इमाम-उल-काफ और मोहम्मद हुर्राई को केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दौरान धायल हुए सेम अयूब और खराब फॉर्म में घल रहे अब्दुल्लाह शार्की के लिए स्ट्रेचर के स्थान पर टीम में चापस बुलाया गया है। केप टाउन टेस्ट के दौरान खेलने के बाद रोहेल नजीर को विकेटकीपर पद के लिए बैकअप के रूप में लाया गया है। टीम: शान मसूद (कप्तान), सउद शकील, अब्दर अहमद, बालव आबर, अली बालव, अली कोरी, अमरन गुलाम, काशिफ अली, खुरम शहजाद, मोहम्मद अली, मोहम्मद हुर्राई, मोहम्मद रिजावान, नोमान अली, रोहेल नजीर, साजिद खान और सलमान अली आग। पाकिस्तान दो टेस्ट में से में वेस्टइंडीज से भिड़ेगा। दोनों टेस्ट 17 जनवरी और 25 जनवरी से मुल्तान में खेले जाएंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद जकी हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियांगंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियांगंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।

संपादक : सैयद जकी हैदर - हैद ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लॉर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025, सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593

जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्लूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैयद यूसुफ अली नक्की-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- dailyloktantra@gmail.com

नोट- किसी भी समाचार/ आलोचना पर दावा प्रति दावा/ आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलोचना से संपादक/ प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438// संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/ बिहार

शमी की एक साल बाद टीम इंडिया में वापसी

जसप्रीत बुमराह और सिराज को इंग्लैंड टी-20 सीरीज से आराम, अक्षर पटेल उपक्रमान, पंत बाहर



भारत टी-20 टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अक्षर पटेल (उपक्रमान), संजू सैसान, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेडडी, मोहम्मद शर्मा, अश्वदीप सिंह, हर्षित राणा, धूम जुरेल, रिकू सिंह, हार्दिक पंड्या, रवि विश्नोई, वरुण वक्रवर्णी और वॉशिंगटन सुंदर।

• मुंबई, वार्ता

इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में जेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की वापसी हो गई है। वह बनेद वर्ल्डकप फाइनल के 14 महीने बाद इंटरनेशनल मैच खेले गए। वहीं, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को आराम दिया गया है। बीसीसीआई ने शनिवार रात को टीम की लिस्ट रिलीज की।

अक्षर पटेल को टीम का उपक्रमान बनाया गया, सूर्यकुमार यादव कप्तानी करेंगे। ऋषभ पंथ का जाह नहीं मिली, उनकी जगह धूम जुरेल वैकेप विकेटकीपर होंगे। वाईशिंगटन सुंदर और नीतीश कुमार रेडडी को भी टीम में जगह दी गई है। टी-20 सीरीज का फाइनल में मुकाबला भी जीत ले सकता है। उसके बाद 6 फरवरी से 3 बांदे की सीरीज शुरू होगी।

सुंदर के रूप में 4 आंलराउंडर्स को शामिल किया। शमी ने डोमेस्टिक क्रिकेट में दमदार प्रदर्शन किया। शमी ने चोट के बाद बंगला की ओर आखिरी मैच खेला था। शिवम तुडे, जितेश शर्मा, ऋषभ पंथ और अपेक्षा खान को जगह नहीं मिली। धूम जुरेल और हर्षित राणा को जगह मिली। नीतीश कुमार रेडडी, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर के रैंपेनी (वनडे) भी खेला था,

जिससे भारतीय टीम में उनकी वापसी की उम्मीद बढ़ गई थी। पिछले साल सनवरी में एकल सर्जरी कराई थी शमी ने जनवरी-2024 में इंडैन्डे में उन्होंने एकल की सर्जरी कराई थी। पिछले नैशनल क्रिकेट एकलमीठे के लिए उनकी वापसी की सुविधा उपलब्ध